Roll No. .....

E–3521

M. A. (Final) EXAMINATION, 2021

LINGUISTICS

Paper Tenth (A)

(अनुवाद)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Attempt all the *five* questions. All questions carry equal marks.

1. अनुवाद की परिभाषा देते हुए अनुवाद के महत्व व व्यवहार क्षेत्र को समझाइए।

Define translation and explain its importance and scope.

अथवा

(*Or*)

अनुवाद के सिद्धान्त बताते हुए एक सफल अनुवादक के गुण बताइए।

Define the theory of translation and merits of a successful translator.

2. अनुवाद प्रक्रिया के सम्बन्ध में नाइडा के विचार को स्पष्ट कीजिए।

Explain the view of Naida on the process of translation.

अथवा

(*Or*)

अनुवाद मूल्यांकन की विधियों को विस्तार से समझाइए।

Explain the methods of translation evaluation in detail.

3. समभाषिक संदर्भ में अनुवाद शिक्षण पर प्रकाश डालिए।

Highlight the teaching of translation in monolingual context.

अथवा

(*Or*)

अनुवादक के प्रकारों को समझाइए।

Explain the types of translators.

4. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

Translate the following English passage into Hindi :

Vegetables and fruits are an important part of a healthy diet. First, fruits and vegetables are packed with the vitamins and minerals you need to keep your body functioning smoothly. In addition, they give carbohydrates that is needed for energy. Fruits and vegetables have lots of fiber to help digestive system work properly. Finally, many scientists believe that the nutrients in fruits and vegetables can help to fight diseases. If people eat a diet rich in fruits and vegetables, they will be on the road to better health.

अथवा

(*Or*)

निम्नलिखित छत्तीसगढ़ी गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

Translate the following Chhattisgarhi passage into Hindi :

जवान मनखे मन ला ध्यान रखना चाही कि ऊँखरइच्छा ऊँखर योग्यता से ज्यादा बढ़े हुए है। ओमन ला एन बात के ध्यान रखना चाही कि ओमन अपन ले बड़े मन के सम्मान करयँ, अऊ छोटे अऊ बराबर वाले मनखे से कोमलता के व्यवहार करयँ। ए सब बात आत्म मर्यादा बर जरूरी हे। ए जग मा हमन जऊन कुछ भी हवन अऊ जे कुछ भी हमर हे, हमर शरीर, हमर, आत्मा हमर करम, हमर भोग, हमर घर अऊ बाहिर के दसा, हमर बहुत अकन अवगुण और थोड़कन गुण, ये सब बर जरूरी है कि लोगन अपन आत्मा ला नम्र रखयँ। नम्रता के मतलब ए नई ए कि इन्सान दब्बू अऊ जोजवा हो जाए, जेखर कारण मानुष आगे नहीं बढ़ पावय और मऊका मिले या जल्दी फैसला नइ ले पावय। मनखे मन ला अपन बेड़ा खुद ही पार लगाना पड़ही। सच्चा आत्मा उही आय जेन हर दसा में हर स्थिति में अपन राह खुद निकालय।

5. निम्नलिखित हिन्दी गद्यांश का अंग्रेजी अथवा छत्तीसगढ़ी में अनुवाद कीजिए :

Translate the following Hindi passage into English *or* Chhattisgarhi :

विद्यार्थी जीवन को मानव जीवन की रीढ़ की हड्डी कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। विद्यार्थी काल में बालक में जो संस्कार पड़

जाते हैं जीवन भर वही संस्कार अमिट रहते हैं। इसीलिए यही काल आधारशिला कहलाता है। यदि यह नींव दृढ़ बन जाती है तो जीवन सुदृढ़ और सुखी बन जाता है। यदि इस काल में बालक कष्ट सहन कर लेता है तो उसका स्वास्थ्य सुन्दर बनता है। यदि मन लगाकर अध्ययन कर लेता है तो उसे ज्ञान मिलता है, उसका मानसिक विकास होता है। जिस वृक्ष को प्रारम्भ से सुन्दर सिंचन और खाद मिल जाती है, वह पुष्पित और पल्लवित होकर संसार को सौरभ देने लगता है। इसी प्रकार विद्यार्थी काल में जो बालक श्रम, अनुशासन, समय एवं नियमन के साँचे में ढल जाता है वह आदर्श विद्यार्थी बनकर सभ्य नागरिक बन जाता है। सभ्य नागरिक के लिए जिन-जिन गुणों की आवश्यकता है उन गुणों के लिए विद्यार्थी काल ही तो सुन्दर पाठशाला है। यहाँ पर अपने साथियों के बीच रहकर वे सभी गुण आ जाने आवश्यक हैं जिनकी कि विद्यार्थियों को अपने जीवन में आवश्यकता होती है।